मनरेगा– 30 वर्षो बाद पुनर्जीवित नहर से गांव में लौटी खुशहाली

राज्यः हरियाणा– जिला हिसार **खण्ड** हिसार 1 **ग्राम पंचायत** तलवंडी रूक्का,
परिसम्पति का नामः Repair & Maintenance of Irrigation Channel Talwandi Rukka Disty. Rd 19000 to 24576 at 27/06
कार्य कोडः 1215010046/IC/1000010651, 1215010047/IC/1000010652, 1215010047/IC/1000011074

कुल लागत : 63.00 Lacs
कुल खर्च : 62.23 Lacs
कुल मानव दिवसः 19,577
कार्य समाप्ति तिथिः 12.01.2021
वित्तीय वर्षः 2019 & 20
कन्वरजैन्स : भिवानी वाटर सर्विस, सिंचाई विभाग

जिला प्रशासन हमेंशा से मनरेगा के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी आजीविका विकसित करने के लिए प्रेरित करता रहता है। तलवंडी रूक्का गांव से संबंधित 30 वर्ष पुरानी नहर अपने आप में एक सफलता की कहानी है। यह गांव जिला मुख्यालय से 30 किमी की दूरी पर है। इस गाँव के लोग कृषि, मज़दूरी और पशुधन के माध्यम से होने वाली आय से अपना जीवन व्यतीत करते है।

7.5 किमी इस माइनर का निर्माण वर्ष 1976 में किया गया था और 1989 तक इस माइनर से ग्रामीणों को पानी मिलता रहा। यह एक लिफ्ट नहर थी और जिसमें सिवानी नहर (जोकि गांव से लगभग 10 किमी दूर है) से भारी पंपों का उपयोग कर पानी तलवंडी रूक्का माइनर में डाला जाता था। भीतते समय के साथ साथ पम्प क्षतिग्रस्त होते गए जिसकी वजह से तलवन्डी रूक्का नहर में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई। समय–समय पर ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायतों के बावजूद किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया और आखिरकार नहर रेत से ढक गई। हालात ये बने ये नहर धरातल के साथ साथ नक्शें पर से भी विलुप्त हो गई और हर गुजरते दिन के नहर के साथ लगती जमीन भी बंजर हो गई।

सिंचाई विभाग, भिवानी मंडल ने मशीनों के माध्यम से विभागीय रूप से कार्य करने के लिए तलवंडी रुक्का डिस्ट्रीब्यूटरी की मरम्मत और रखरखाव का प्रस्ताव एनओसी के लिए प्रस्तुत किया। परंतु तत्कालीन अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक हिसार श्री. ए.

एस. मान ने इस डिस्ट्रीब्यूटरी पर मनरेगा मजदूरों द्वारा कार्य करवाने की पहल की है और सिंचाई विभाग के अधिकारियों और ब्लॉक अधिकारियों को मनरेगा के तहत इस काम को करने के निर्देश दिए हैं।

दिनांक 01–07–2019 को मनरेगा मजदूरों द्वारा तलवंडी रुक्का डिस्ट्रीब्यूटरी को पुनर्जीवित करने की पहल में खुदाई शुरू की गई। यह काम बेहद कठिन था लेकिन मनरेगा के मजदूरों ने अपनी मेहनत के दम पर इस कार्य को पूर्ण कर दिखाया। उन्होंने जनहित में यह संदेश दिया कि कोई भी काम समर्पण और मेहनत से किया जा सकता है। कार्य के निष्पादन के दौरान पंचायत सदस्यों, सरपंच, कनिष्ठ अभियंता, एबीपीओ, बीडीपीओ सहित ब्लॉक स्तर के अधिकारियों द्वारा समय समय पर कार्य की गुणवत्ता हेतु कार्यस्थल का दौरा किया गया।

चूंकि पिछले 30 वर्षों से यह डिस्ट्रीब्यूटरी लगभग 10–15 फीट तक भारी धूल मिट्टी से ढक चुकी थी इसलिए इस डिस्ट्रीब्यूटरी के साथ साथ सटीक मापई से खुदाई करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस कार्य में लगे मनरेगा मज़दूरों का मनोबल उस वक्त टूट गया जब उन्हें पता चला कि उन्होंने डिस्ट्रीब्यूटरी लाइनिंग के बजाय गलत दिशा में खुदाई कर दी। इस समस्या के समाधान के लिए गांव के स्थानीय किसानों के सुझाव के साथ साथ तकनीकी सहायता ली गई। मजदूरों को सही दिशा में सटीक सीमांकन देने के लिए ऑटो–लेवल और अलाइनमेंट मशीनों का इस्तेमाल किया गया।

मनरेगा मजदूरों द्वारा 13 लाख घन मिट्टी निकाल कर उसकी सफाई की गई तथा सिंचाई विभाग द्वारा पानी छोड़ा गया जिससे तलवंडी रूक्का माइनर को 30 साल बाद नया जीवन मिला। इस कार्य के पूर्ण होने से 4गांवों की 5229 एकड़ भूमि को सिंचाई के लिए नहर का पानी उपलब्ध हो रहा है और लगभग 21000 किसानों के जीवन में खुशिया वापस लौट कर आई है।
हिसार जिले के चार गांवों–तलवंडी रुक्का, तलवंडी बादशाहपुर, शाहड़वा, रावत़खेड़ा और भिवानी के चनाना गांव के 21000 किसानों के लिए यह खुशी का क्षण था जब उन्होनें 30 वर्षों से 20 फीट रेत के नीचे दबी नहर में पानी बहता हुआ देखा। इसके अलावा गांव के तालाबों और जल कार्यों के लिए साफ पानी उपलब्ध हो रहा है। एक कहावत 'आम के आम गुठलियों के दाम' पर खरी उतरती मनरेगा योजना ने स्थानीय स्तर पर एक तरफ मजदूरों को रोजगार दिया और दूसरी ओर बंद तलवंडी रूक्का डिस्ट्रीब्यूटरी को पुनर्जीवित कर 5229 एकड़ भूमि के लिए नहर का पानी उपलब्ध करवाया। इस कार्य ने ना केवल गांव तलवंडी रूक्का बल्कि पूरे हिसार जिले में एक कीर्तिमान स्थापित किया है।

ग्राम तलवंडी रूक्का के सरपंच श्री जगदीश सिंह राठौर ने बताया कि "1976 में जब इस नहर का निर्माण हुआ था तब हम बहुत छोटे थे। उस समय जमीन भी उपजाऊ थी लेकिन जैसे–जैसे समय बीतता गया पानी बंद हो गया और नहर पूरी तरह से रेत से ढक गई, यहां तक कि हम नहर के बारे में भी भूल गए। लेकिन अब पूरा गांव बहुत खुश है और इस महान कार्य के लिए महात्मा गांधी नरेगा एवं प्रशासन का शुक्रगुजार है।

श्री बसंत सिंह, श्री ओमप्रकाश, श्री अनूप, श्री प्रेम सिंह एवं श्री सत्यनारायण तलवंडी रुक्का गांव के किसान है जिन्होनें बताया कि, "हमारी जमीन दिन–ब–दिन बंजर होती जा रही थी। करीब 5,229 एकड़ जमीन की सिंचाई हेतु पानी नहीं था। अब चूंकि इस नहर में दोबारा पानी बह रहा है, हम सभी ग्रामवासी इस दिशा में की गई पहल की सराहना करते हैं।

The Ministry of Rural Development, Govt. of India, posted the success story of Hisar, Haryana on their official Social Network Sites

Twitter

Instagram

Facebook

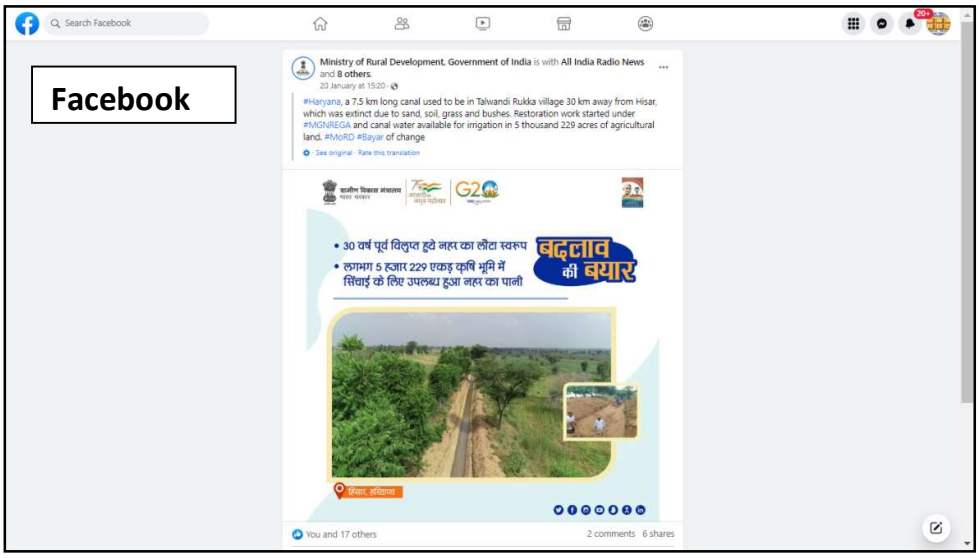

Koo

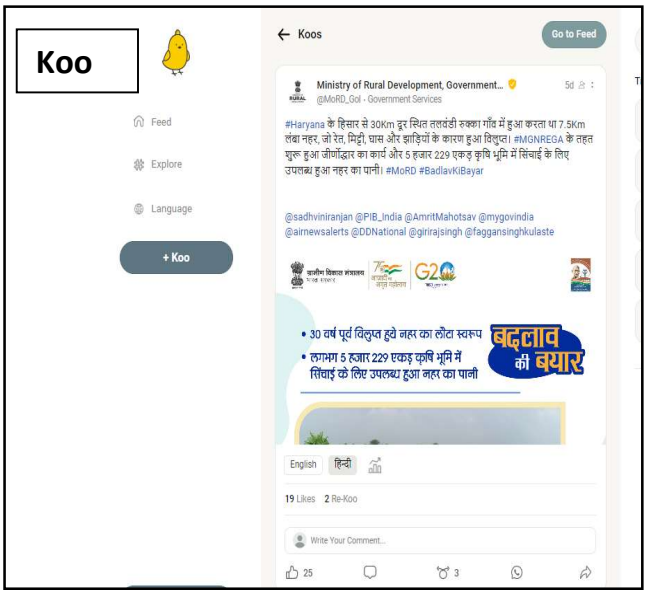

Youtube

Linked in